बांस का घर

नीरा जैन

अनुवाद
पंकज चतुर्वेदी

चित्रांकन
देवाशीष देव

nbt.india
एकः सूते सकलम्

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA

यह पुस्तक मार्च 2008 में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित लेखक-चित्रकार कार्यशाला में तैयार की गई है।

ISBN 978-81-237-6180-0

पहला संस्करण : 2011
छठी आवृत्ति : 2018 *(शक 1940)*
© नीरा जैन, 2011
अनुवाद © राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, 2011
A House of Bamboo *(English Original)*
Bans Ka Ghar *(Hindi)*

₹ 35.00

निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित
Website: www.nbtindia.gov.in

nbt.india
एकः सूते सकलम्

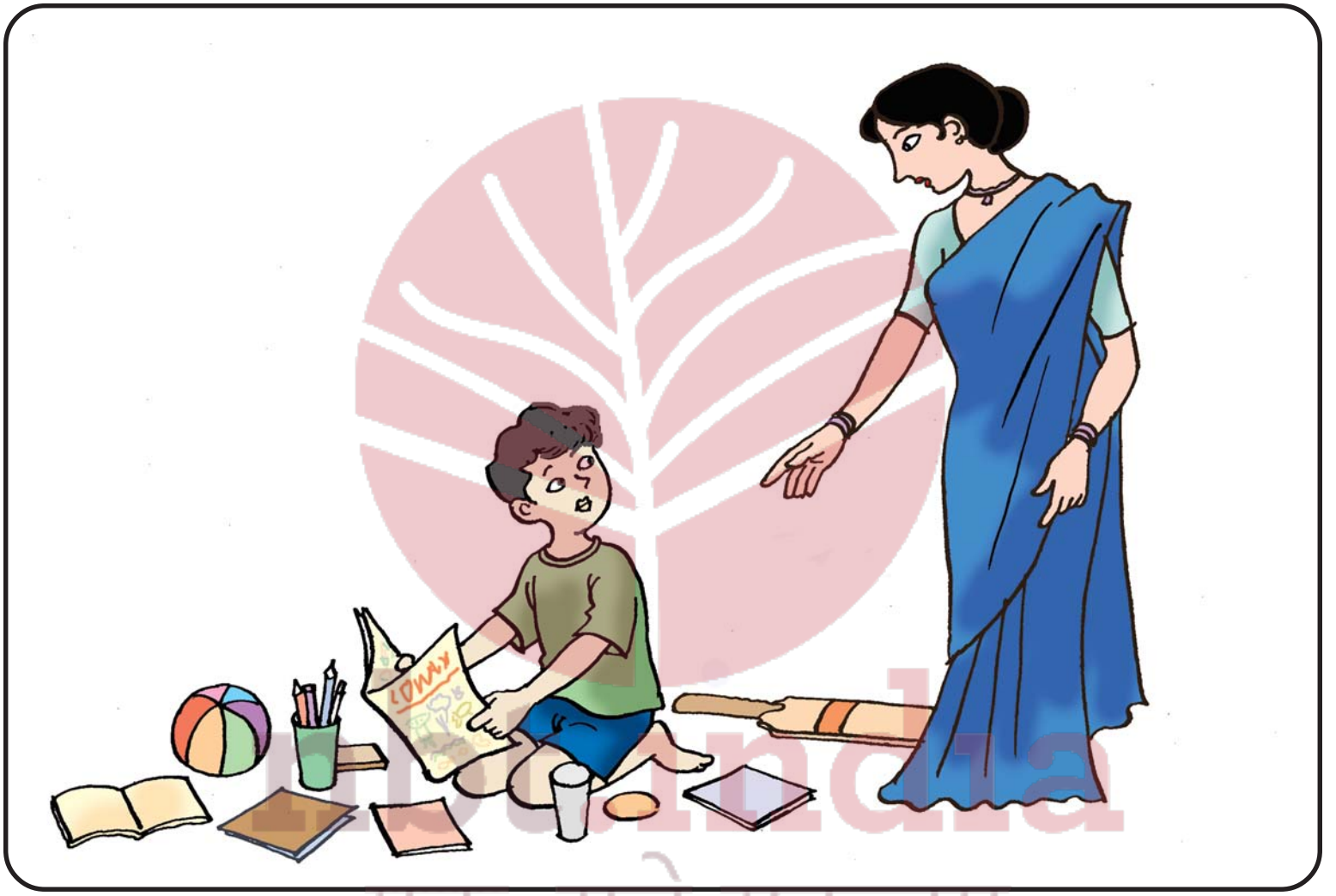

एकः सूते सकलम्

“राहुल! चलो.... अपना सामान समेटो”, राहुल की मां ने कहा।

"नहीं मां.. मैं नहीं जाऊंगा... मैं यहीं दिल्ली में ही रहूंगा। मेरे दोस्त यहीं हैं.. मेरी 'हॉबी क्लास.. मेट्रो की सवारी.. और कहां मिलेगी? आपको पता है कि संगीत सिखाने वाले टीचर मुझे कितनी अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाते हैं?"

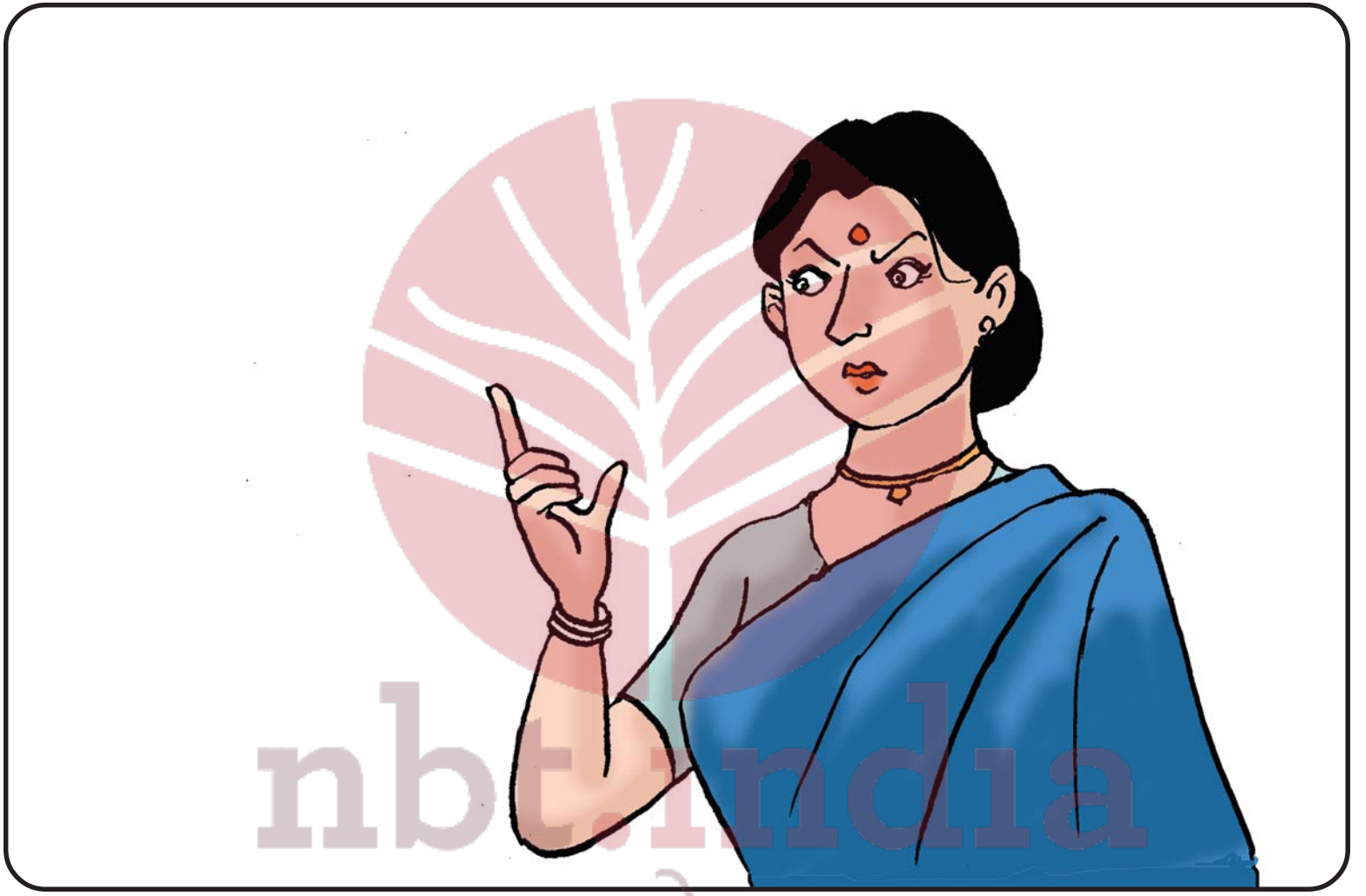

nbt.india
एकः सते सकलम

"लेकिन बेटे, आपके पापा का तबादला हो गया है। हमें अगरतला जाना ही होगा।" मां ने थोड़ा कड़ाई से बोला।

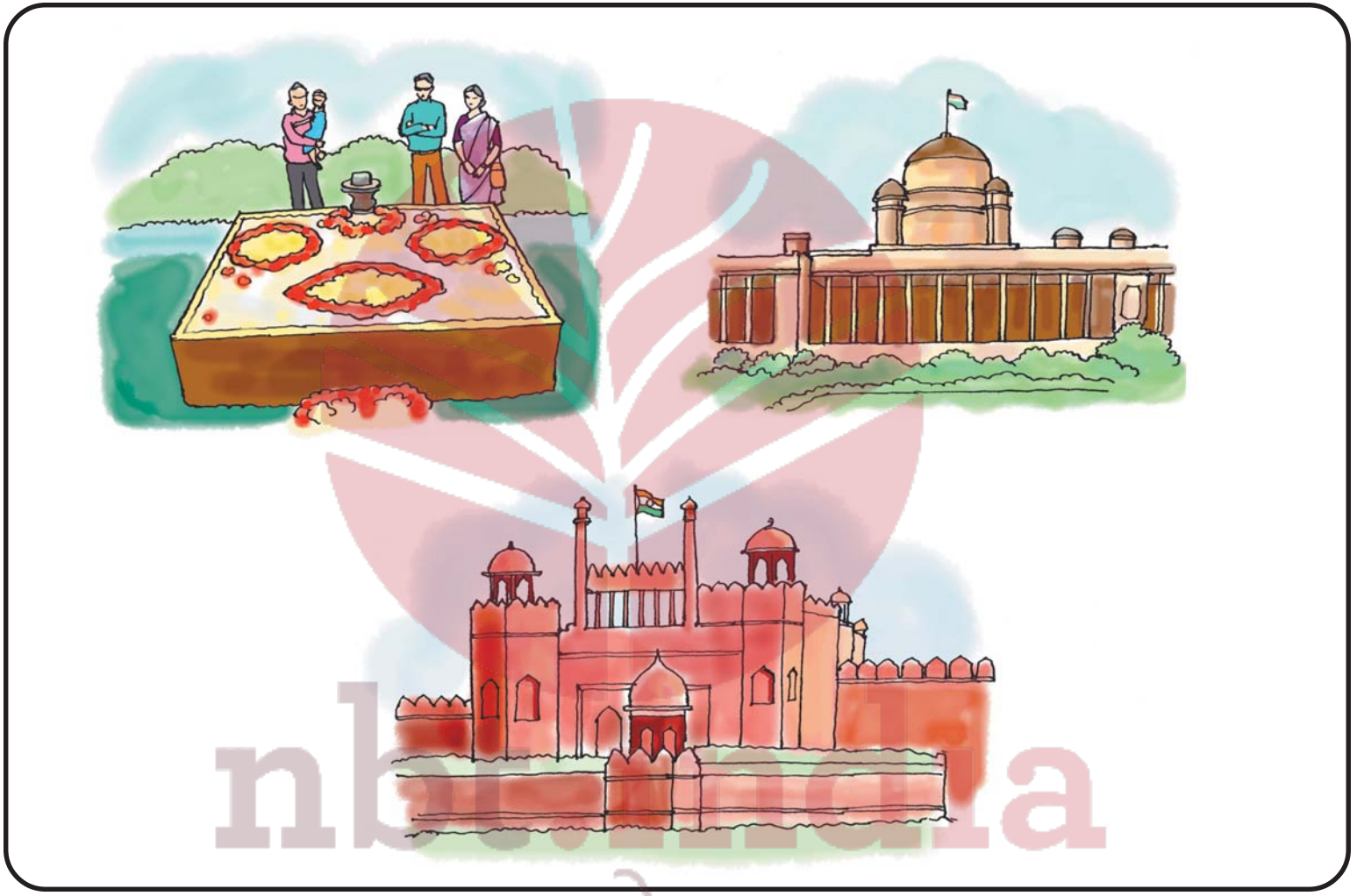

nbtindia
एकः सते सकलम्

राहुल गुमसुम हो गया। उसे अपने दोस्तों के साथ स्कूल की पिकनिक के पल याद आने लगे। कितना मजा आया था—राजघाट, राष्ट्रपति भवन, लाल किला, कुतुब मीनार, इंडिया गेट घूमने में!

राहुल खयालों में खो गया। वह अपने दोस्तों के बारे में सोचने लगा।

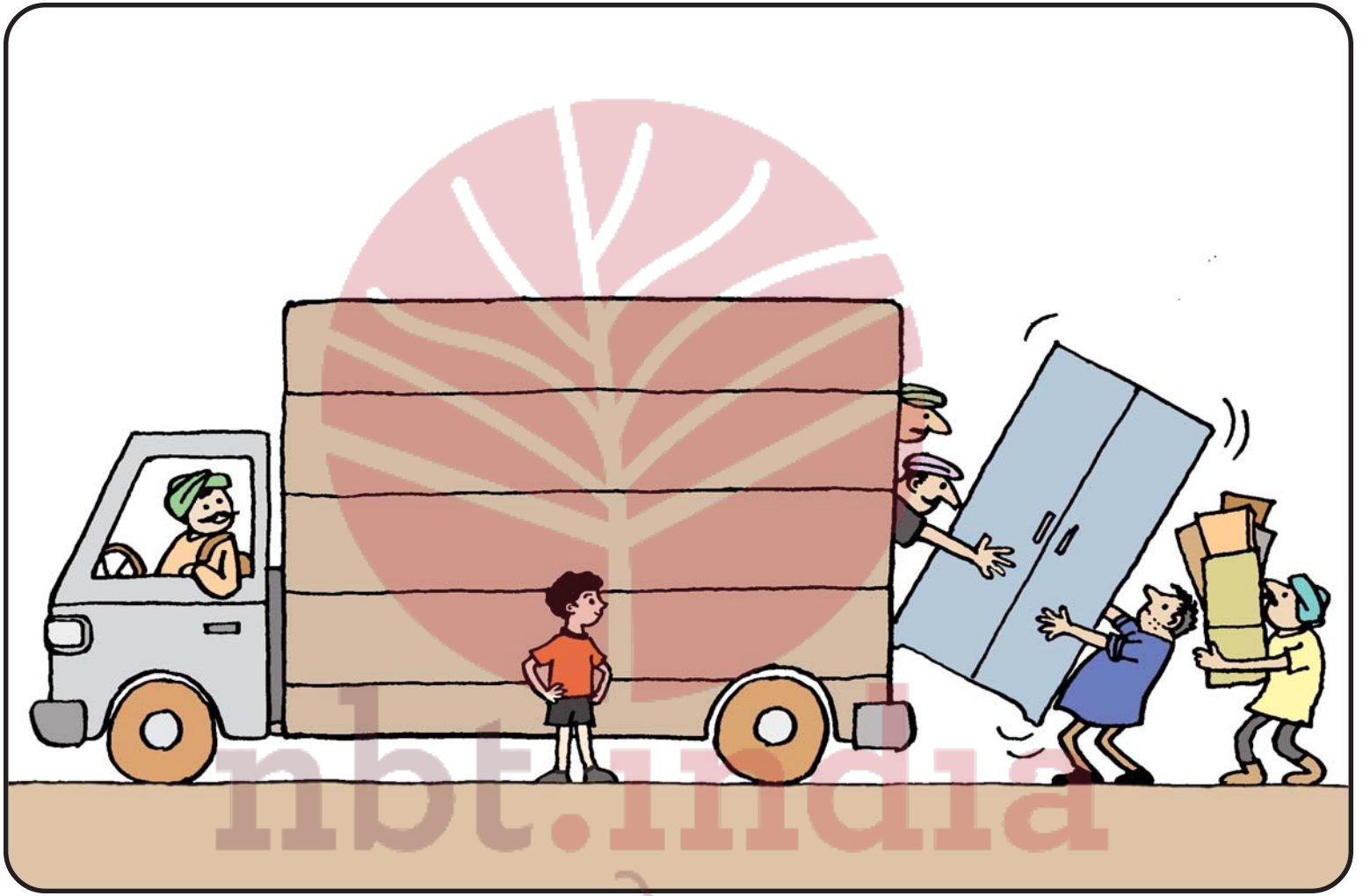

nbt.india
एकः सूते सकलम्

“ट्रक कल आएगा।” मां की आवाज से वह हड़बड़ा गया।

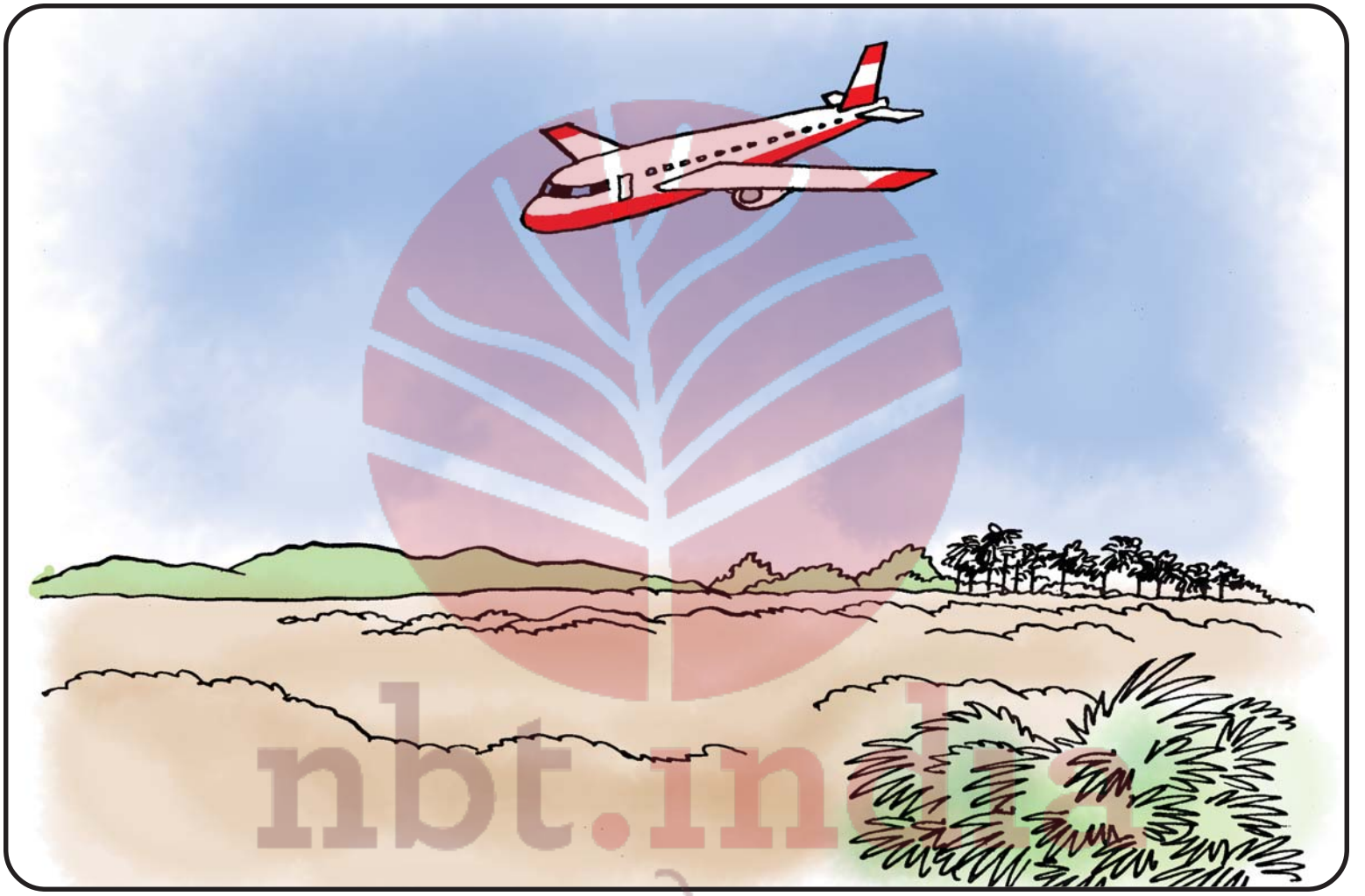

nbt.in
एकः सूते सकलम्

पूरा परिवार अगली सुबह हवाई जहाज पर सवार हुआ और त्रिपुरा की राजधानी अगरतला पहुंच गया।

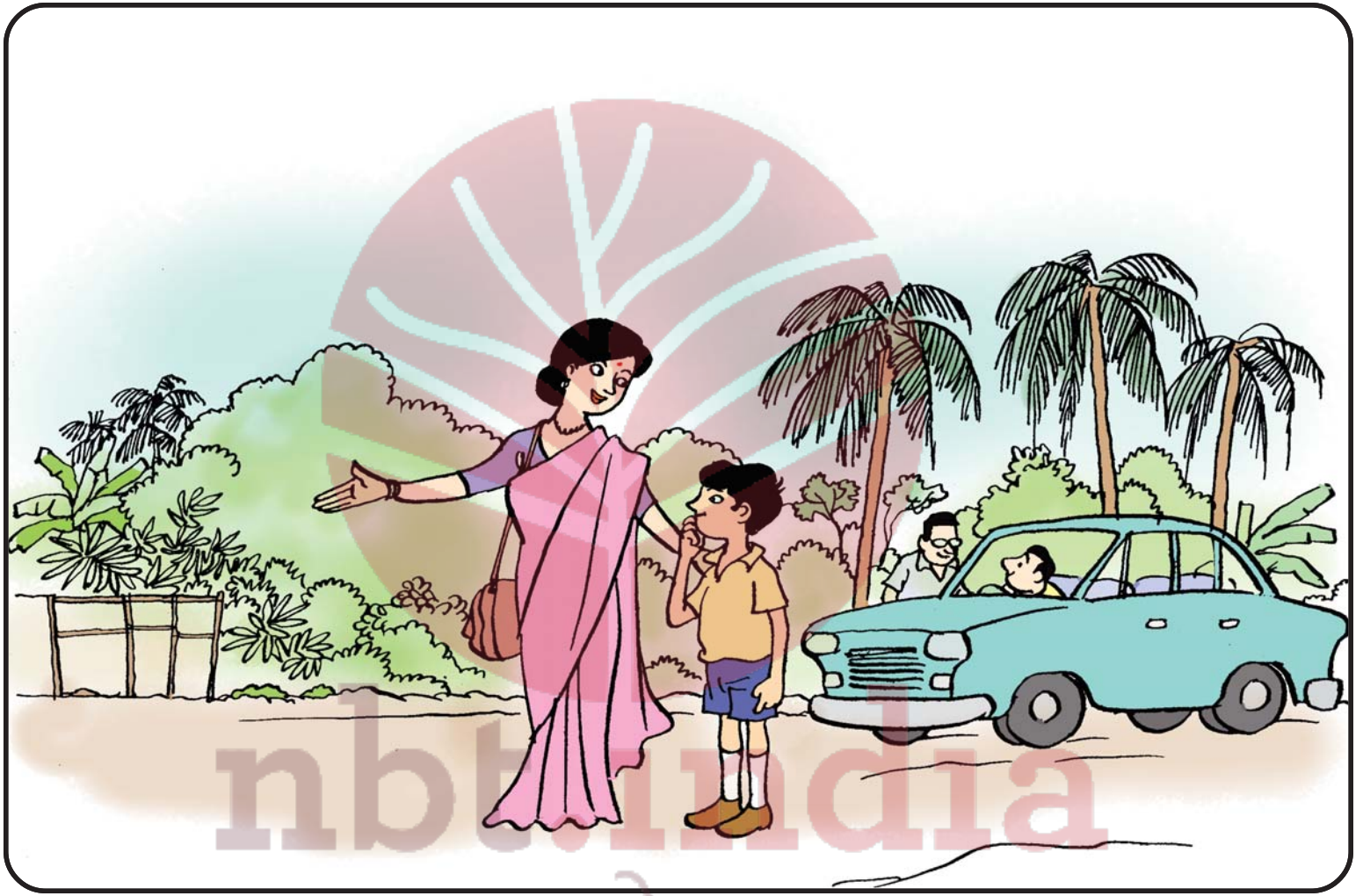

nbtindia
एकः सूते सकलम्

“राहुल देखो, कितना सुंदर दृश्य है!” मां ने जोर से बोला।

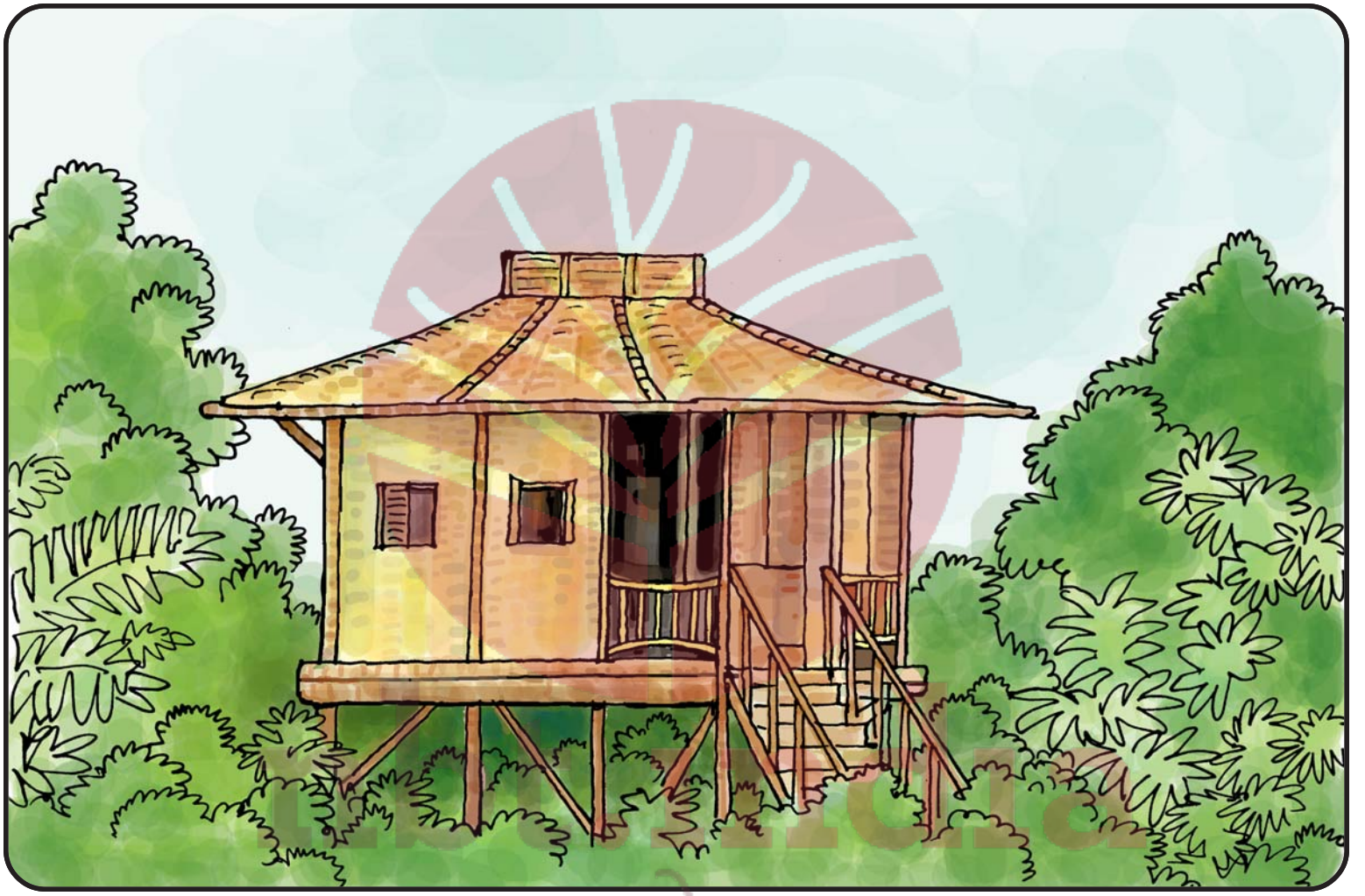

एकः सूते सकलम्

उदास राहुल ने सिर ऊपर उठाया तो वह खुशी से झूम उठा—"बांस की झोपड़ी!"

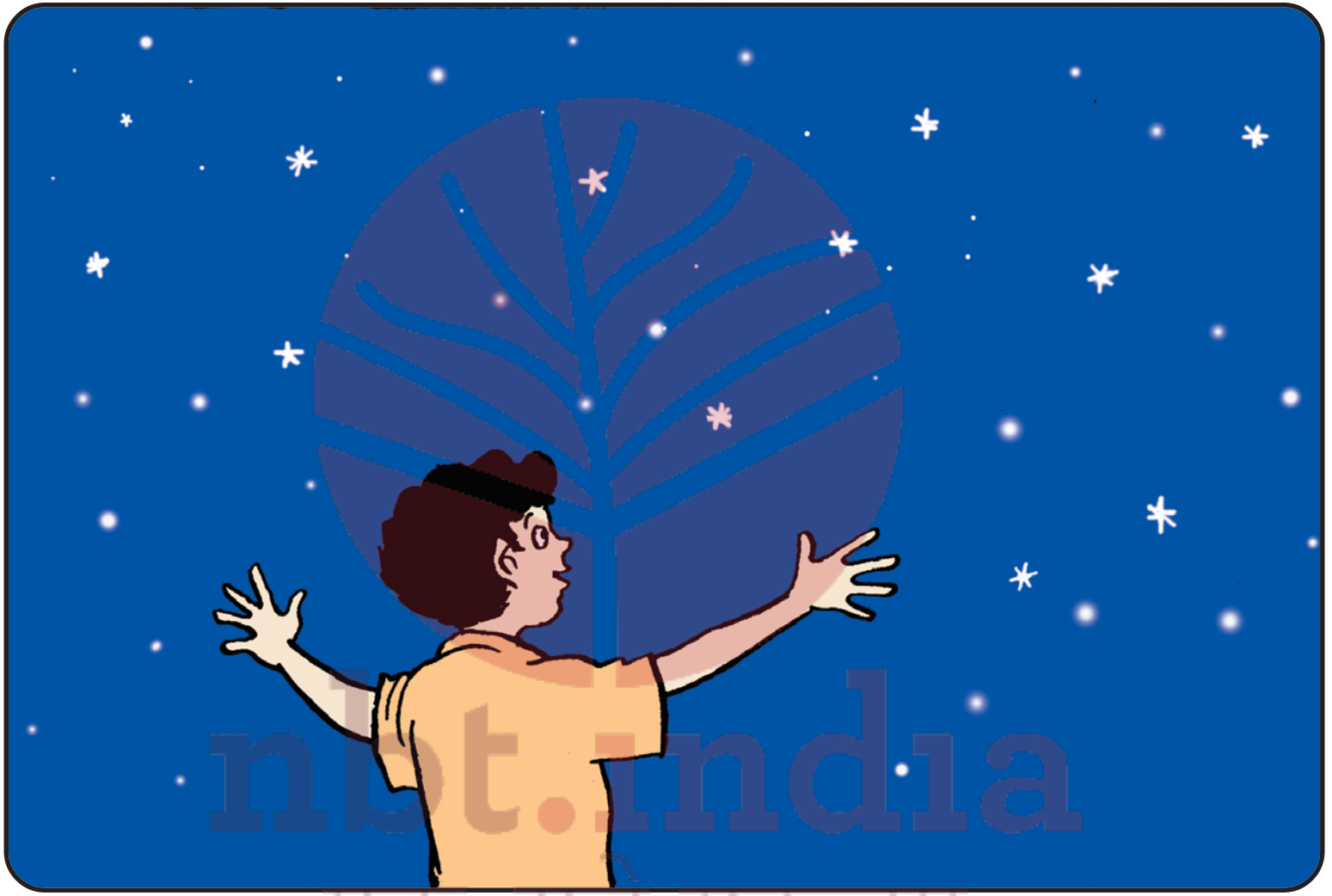

“मां यहां के जानवर कुछ अलग तरह के दिखते हैं ना! और मैंने दिल्ली में कभी भी आकाश में इतने सारे तारे चमकते नहीं देखे.....।” देर रात आकाश को निहारते हुए राहुल खुद से ही बातें कर रहा था।

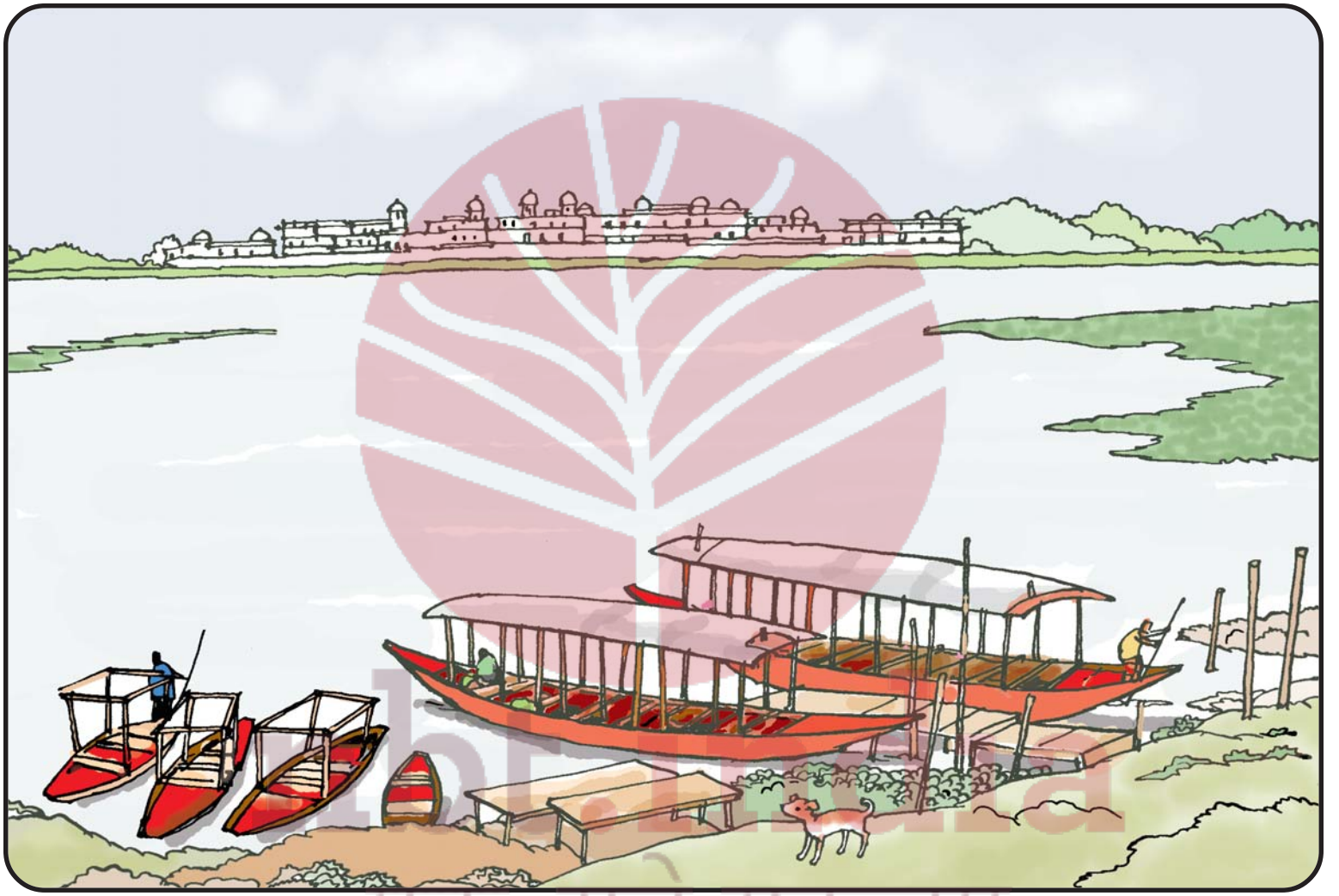

राहुल का दाखिला एक स्कूल में हो गया। अब उसे यह जगह धीरे-धीरे अच्छी लगने लगी थी।

“मां, आज मेरे लिए कुछ अच्छा सा खाना बना देना। आज हमें स्कूल की तरफ से अगरतला घुमाने ले

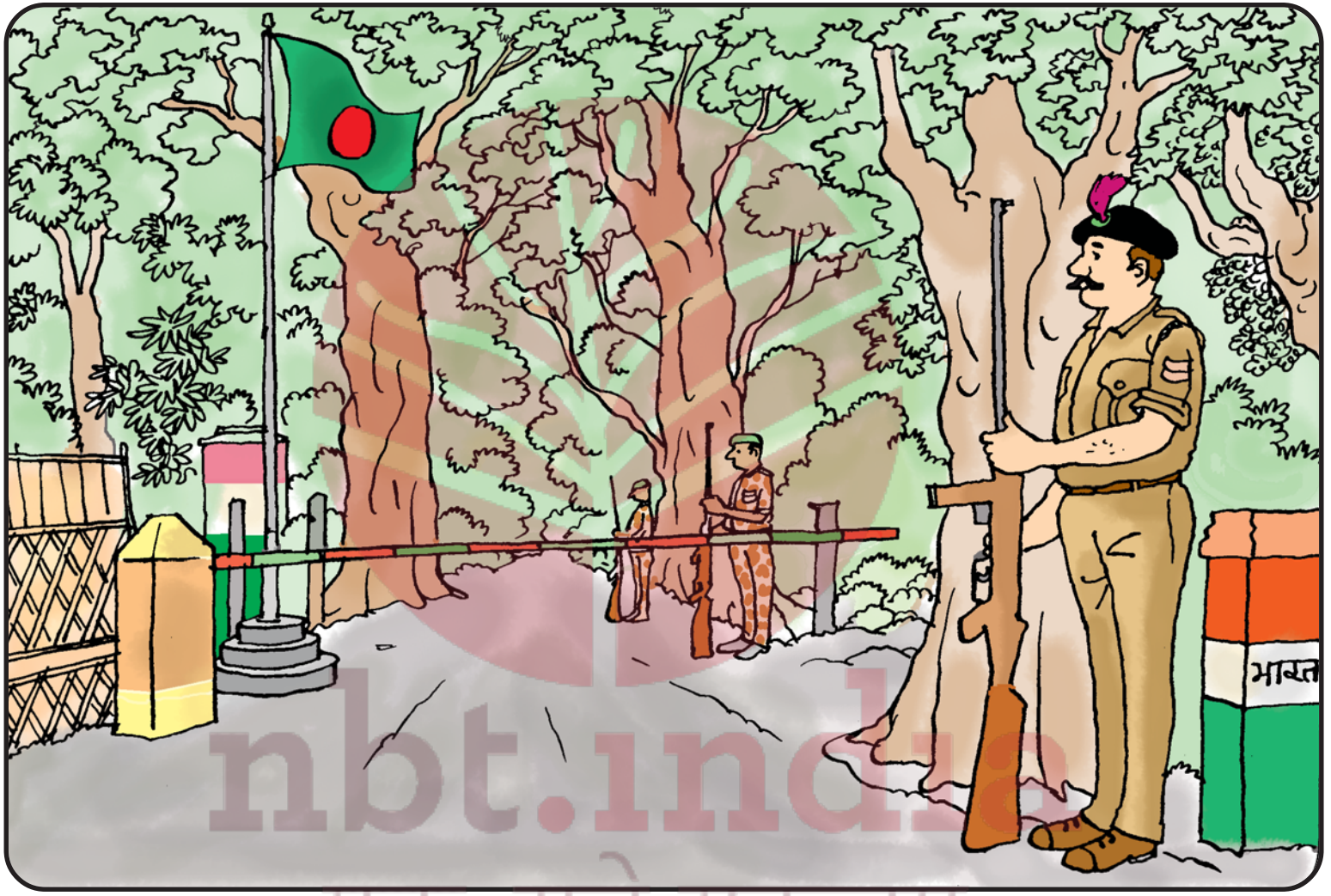

जाने वाले हैं। हम नीर महल, उदयपुर मंदिर और भारत-बांग्लादेश सीमा घूमने जाएंगे।" राहुल बहुत खुश लग रहा था।

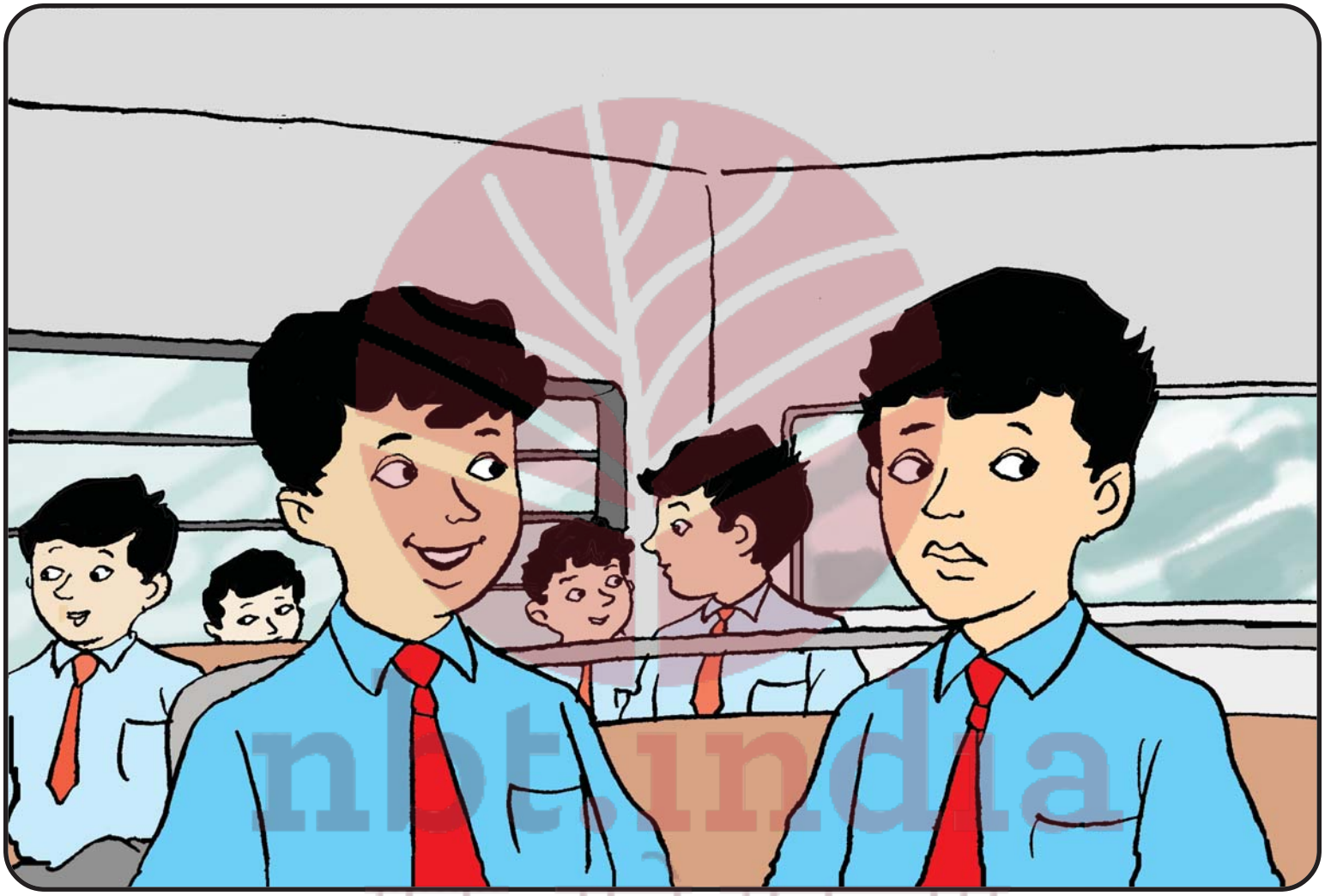

राहुल बस में अपने पास बैठे एक लड़के से दोस्ती करना चाह रहा था। वह लड़का बहुत उदास था।

"अरे दोस्त! आओ चलो... हम भारत-बांग्लादेश सीमा और 'नो मेन्स लैंड' देखते हैं। 'नो मेन्स लैंड' यानी ऐसी जमीन, जिस पर दोनों देशों का अधिकार है।" राहुल ने उस लड़के की बुलाया।

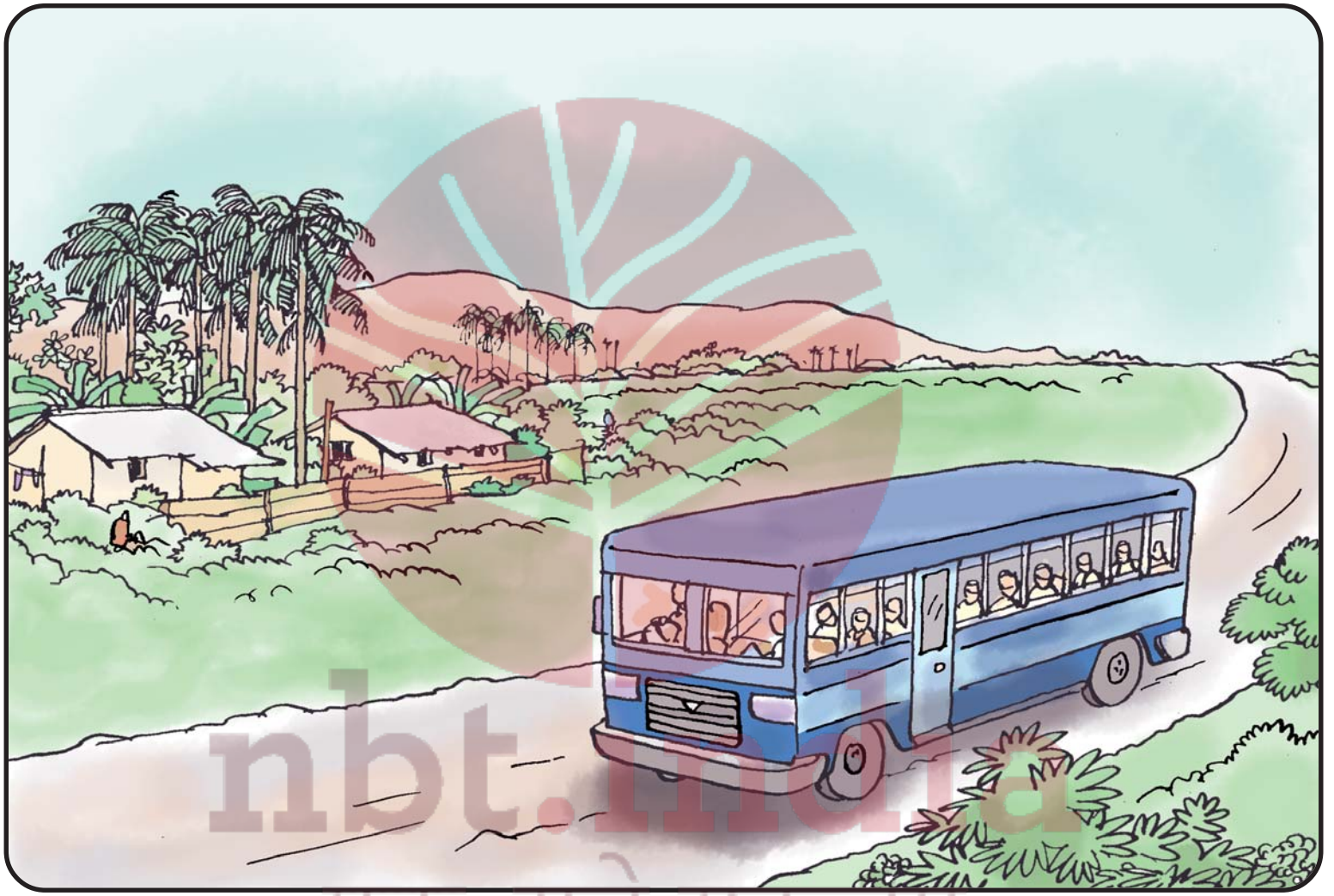

“मुझे नहीं आना! मैं उसे कई बार देख चुका हूं।” लड़के ने राहुल को जवाब दिया।

“क्यों? क्या हो गया तुम्हें?” राहुल ने उससे पूछा।

“मेरे पिताजी का यहां से तबादला हो गया है...” लड़के ने रुआंसे होते हुए कहा।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

nbt.india
एकः सूते सकलम्

गोपसंस पेपर्स लिमिटेड, नोयडा द्वारा मुद्रित